हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 141 देहरादून, मंगलवार, 22 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

महाराज ने खोला खजाना, चैबट्टाखाल को दी 36 करोड की सौगात

3

भक्तदर्शन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सीएम धामी ने दो पीजी ब्लॉक निर्माण की घोषणा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जयहरीखाल, 21 नवम्बर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जयहरीखाल के भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने महान विभूति भक्तदर्शन जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री जी ने भक्तदर्शन की पुत्री मीरा चौहान को सम्मानित किया तथा भक्तदर्शन स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि भक्तदर्शन स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एम.ए तथा एम.एस.सी हेतु दो पृथक पीजी ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। एम.एस.सी. में भौतिक विज्ञान व गणित तथा एम.ए. में संस्कृत, अंग्रेजी व भूगोल के विभिन्न संकाय खोलने हेतु चरणबद्ध तरीके से आकलन कराकर उसी अनुरूप कार्य किया जाएगा।

महाविद्यालय स्वरोजगारपरक कौशल विकास पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। विकासखंड नैनीडांडा और जयहरीखाल में मिनी स्टेडियम बनाया जायेगा। उन्होंने महाविद्यालय के छात्रा हॉस्टल की चारदीवारी के निर्माण हेतु जिलाधिकारी को निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकासखंड जयहरीखाल के चिनबो तथा नैनीडांडा के आशोबाखली में वाटरफॉल निर्माण, ज़यहरीखाल ब्लाक के अंतर्गत अमटोला पंपिंग योजना की स्वीकृति प्रदान की जायेगी। नैनीडांडा के गुड्डूगड़ी में पर्यटन स्थल विकसित किया जायेगा। नैनीडांडा तथा रिखणीखाल विकासखंड के अंतर्गत कुमालडीडांडा, बरेही, पीपली, शिलांग, खदरासी, करतिया, तिमाईसैंण, डमालता, बगेडा, रीखेडा आदि में सिंचाई नेहरों के पुनरुद्धार का कार्य किया जायेगा। द्वारीखाल में सिंगटाली नामक स्थान पर गंगा नदी पर पुल निर्माण एवं विधानसभा क्षेत्र यम्केश्वर में केंद्रीय विद्यालय निर्माण का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भक्तदर्शन जी का भारतीय स्वतंत्रता तथा उत्तराखंड राज्य के हित में महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि भक्तदर्शन महाविद्यालय ने कुशल मानव संसाधन देने का कार्य किया। इस महाविद्यालय से पढ़े बहुत से लोग आज राजनीति, सेना, पुलिस, प्रशासन आदि क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की पहचान एक समर्थ और शक्तिशाली भारत के रूप में बनी है। राज्य सरकार भी जीरो पेंडेंसी की नीति पर कार्य रही है।

सरलीकरण, समाधान, निस्तारण एवं संतुष्टि के मंत्र पर कार्य किए जा रहे हैं। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रियाओं में तेजी लाई गई है। इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह रावत, रेनू बिष्ट, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे, मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पांडे, ब्लॉक प्रमुख महेंद्र राणा, दीपक भंडारी, प्रशांत कुमार, नगरपालिका अध्यक्ष दुगड्डा भावना चौहान एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अभिनव कुमार कर रहे है उत्तराखंड की फ़िल्म पॉलिसी में नए और अभिनव सुधार

विशेष प्रमुख सचिव,सूचना अभिनव कुमार ने किया गोवा फ़िल्म महोत्सव में उत्तराखंड पवेलियन का दौरा

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोवा, 21 नवम्बर। 53वे अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में उत्तराखंड पवेलियन का सोमवार को विशेष प्रमुख सचिव सूचना अभिनव कुमार द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान विशेष प्रमुख सचिव, सूचना से विभिन्न फ़िल्म निर्माता, निर्देशक, राइटर, लाइन प्रोड्यूसर आदि द्वारा चर्चा की गई। मनु रेवल (चाय पानी ईटीसी फेम) निर्माता निर्देशक भारत और फ्रांस से चर्चा करते हुए विशेष प्रमुख सचिव द्वारा उत्तराखंड में शूटिंग अनुमति, सब्सिडी और राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सहायता के बारे में जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा उत्तराखंड को बेस्ट फ़िल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में नीति के स्तर पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। निर्माता निर्देशकों को हर संभव सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री धामी द्वारा फ़िल्म नीति को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये हैं । राज्य में फ़िल्म डेस्टिनेशन , रीजनल फ़िल्म, फ़िल्म और क्रिएटिव आर्ट संस्थान विकसित करने पर भी मुख्यमंत्री का विशेष फोकस है। इसके साथ ही फ़िल्म निर्माता रोहित अरोड़ा, गौस पीर, रत्नसील शर्मा, इन्वेस्ट इंडिया के रिमझिम शर्मा, चित्रा नेगी जैन आदि द्वारा फ़िल्म नीति के बारे में जानकारी ली गयी। इस अवसर पर उप निदेशक / नोडल अधिकारी उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद डॉ. नितिन उपाध्याय भी उपस्थित थे।

उत्तराखंड फ़िल्म पवेलियन बना है फिल्मकारों के लिए मुख्य आकर्षण

■ नोडल अधिकारी डॉ.नितिन उपाध्याय ने पेश किया मुख्यमंत्री धामी का फिल्म उद्योग उत्थान विज़न

उल्लेखनीय है कि कल 22 नवंबर 2022 को अपराह्न में नॉलेज सीरीज का आयोजन होगा, जिसमें प्रख्यात गीतकार एव अध्यक्ष केंद्रीय फ़िल्म प्रमाणन बोर्ड प्रसून जोशी द्वारा उत्तराखंड में फ़िल्म शूटिंग को लेकर विचार व्यक्त किये जायेंगे।

आप अगर डिजिटल ट्रांजैक्शन करते हैं तो ध्यान से पढ़ें ये खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 21 नवम्बर। डिजिटल ट्रांजैक्शन करते हैं, तो आपके लिए बड़ी खबर है. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स (TPAP) द्वारा चलाई जाने वाली UPI भुगतान सेवा के लिए कुल लेनदेन की सीमा को 30 फीसदी तक सीमित करने के फैसले पर भारतीय रिजर्व बैंक के साथ बातचीत कर रहा है. एनपीसीआई ने इस फैसले को लागू करने के लिए 31 दिसंबर की समय सीमा तय की है. इस समय लेनदेन की कोई सीमा नहीं है. ऐसे में दो कंपनियों गूगल पे और फोनपे की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 80 फीसदी हो गई है.

पिछले साल नवंबर में दिया था प्रस्ताव

NPCI ने नवंबर 2022 में एकाधिकार के जोखिम से बचने को थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स (टीपीएपी) के लिए 30 फीसदी लेनदेन की सीमा तय करने का प्रस्ताव दिया था. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इस संबंध में सूत्रों ने बताया कि सभी पहलुओं पर व्यापक रूप से विचार करने के लिए एक बैठक बुलाई गई थी. इस बैठक में एनपीसीआई के अधिकारियों के अलावा वित्त मंत्रालय और आरबीआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया.

रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि फिलहाल एनपीसीआई सभी संभावनाओं का मूल्यांकन कर रहा है और 31 दिसंबर की समयसीमा बढ़ाने पर कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है. उन्होंने कहा कि एनपीसीआई को समय सीमा बढ़ाने के लिए उद्योग के हितधारकों से अनुरोध मिले हैं और उनकी जांच की जा रही है. सूत्रों के मुताबिक, एनपीसीआई इस महीने के आखिर तक यूपीआई बाजार सीमा लागू करने के मुद्दे पर फैसला कर सकता है.

इसके अलावा आपको बता दें कि आप बिना इंटरनेट के भी यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी UPI सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं. आप बिना इंटरनेट कनेक्शन के यूपीआई के जरिए अपने मोबाइल बिल का भी भुगतान कर सकते हैं. आप यह 123PAY UPI सर्विस की मदद से कर सकते हैं. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन (NPCI) ने हाल ही में ऐलान किया है कि 123PAY पावर बिल पेमेंट सर्विस अब 70 से ज्यादा बिजली बोर्ड के लिए उपलब्ध होगी.

123PAY सर्विस और भारत बिल पेमेंट सिस्टम (BBPS) के इस्तेमाल के साथ, ग्राहक जल्दी और आसानी से अपने बिजली के बिल का भुगतान कर सकेंगे. बिजली बिल का भुगतान सीधे बैंक खातों से किया जा सकता है.

ठंड में खाली पेट खाएं ये 6 चीजें, दूर रहेंगी बीमारियां होगा ये फायदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ठंड के मौसम में हमारा डाइजेशन सिस्टम सुस्त पड़ जाता है पानी कम पीने की वजह से बॉडी भी डीहाइड्रेट होने लगती है. ऐसे में बीमार पड़ने की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है. हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि सर्दियों में कुछ चीचें खाली पेट खाने से ना सिर्फ बीमारियां दूर रहती हैं, बल्कि आप पूरे दिन एनेर्जी से भरे रहते हैं. इसलिए हमें ठंड में नियमित रूप से खाली पेट इन चीजों का सेवन करना चाहिए. पपीता- पपीता हमारी आंतों के लिए अच्छा माना जाता है. यह पेट की कई दिक्कतों को दूर करता है. खाली पेट खाने वालों के लिए पपीता एक सुपरफूड है. पपीता हर मौसम में और हर जगह पाया जाता है. इसे आप आसानी से अपने ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते हैं. ये कोलेस्ट्रॉल कम करता है,दिल की बीमारियों को दूर करता है और वजन भी घटाता है. शहद- ठंड के मौसम में अपने दिन की शुरुआत गुनगुने पानी और शहद से करें. शहद मिनरल्स, विटामिन, फ्लेवोनोइड्स और एंजाइम से भरपूर होता है ये आंतों को साफ रखता है. गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से सारे विषाक्त पदार्थ शरीर से बाहर निकल जाते हैं. इसके अलावा ये वजन घटाने में भी बहुत कारगर माना जाता है.

ओटमील- ओटमील से अच्छा ब्रेकफास्ट कुछ और नहीं हो सकता. अगर आप कम कैलोरी और पोषक तत्वों से भरा कुछ खाना चाहते हैं तो ओटमील खाएं. ये ये शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है और आंतों को स्वस्थ रखता है. ओटमील खाने से बहुत देर तक भूख नहीं लगती है और वजन कंट्रोल रहता है.भीगे बादाम- बादाम में मैगनीज, विटामिन ई, प्रोटीन, फाइबर, ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड पाया जाता है. बादाम को हमेशा रात में भिगोकर सुबह खाना चाहिए बादाम के छिलके में टैनिन होता है जो शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकता है. बादाम भिगोने के बाद इनके छिलके आसानी से निकल जाते हैं.बादाम पोषण देने के साथ ही शरीर को गर्म भी रखता है. भीगे अखरोट- बादाम की तरह अखरोट भी भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है. अपने दिन की शुरुआत रात में भीगे हुए अखरोट खाकर करें. भीगे हुए अखरोट में पोषक तत्व ज्यादा होते हैं.ड्राई फ्रूट्स- नाश्ता करने से पहले एक मुट्ठी मेवा खाने से पेट सही रहता है. यह न केवल पाचन में सुधार करता है बल्कि पेट के पीएच स्तर को सामान्य करने में भी मदद करता है. आप अपनी डेली डाइट में किशमिश, बादाम और पिस्ता शामिल करें. ध्यान रखें कि इन्हें अधिक मात्रा में ना खाएं वरना बॉडी पर इन्फेशन हो सकते हैं.

खांसी को ना करें इग्नोर, ये लक्षण दिखते हैं तुरंत भागें डॉक्टर के पास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 नवम्बर । खांसी आपके शरीर के लिए एक अड़चन से छुटकारा पाने का तरीका है। कई चीजों की वजह से बच्चों में सूखी खांसी हो सकती है। यह आम जुकाम से लेकर किसी चीज को इनहेल करने के कारण हो सकती है। खांसी आपके शरीर की रक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे आपके शरीर को संभावित हानिकारक रोगाणुओं और परेशानियों से छुटकारा पाने में मदद मिलती है।

खांसी कई तरह की होती है जैसे कि बलगम वाली खांसी और सूखी खांसी। खांसी कई कारणों से हो सकती है और बच्चों में होने वाली खांसी के कुछ कारणों के बारे में हम आपको यहां बता रहे हैं। वायरल संक्रमण वायुमार्ग में कोशिकाओं पर आक्रमण करते हैं। यह जलन और सूजन का कारण बनता है जिससे खांसी हो सकती है। बच्चा हवा में कणों को अंदर लेने से या निकट संपर्क के माध्यम से वायरस पकड़ सकता है।

फ्लू एक संक्रामक श्वसन रोग है जो बच्चों के लिए आम सर्दी से ज्यादा खतरनाक है, खासकर 5 साल से कम उम्र के बच्चों में फ्लू की वजह से सूखी खांसी देखी जाती है। इन्फ्लूएंजा वायरस इसका कारण बनता है।फ्लू निमोनिया, डिहाइड्रेशन, मस्तिष्क की शिथिलता का कारण बन सकता है। इसके लक्षणों में बुखार, ठंड लगना, शरीर में दर्द, बहती या भरी हुई नाक और थकान शामिल हैं।एक बच्चे को वायरस, बैक्टीरिया या कवक से निमोनिया हो सकता है। विश्व स्तर पर, निमोनिया उन बच्चों में मृत्यु का प्रमुख कारण है जो नवजात अवस्था से पहले लेकिन 5 वर्ष से कम उम्र के हैं। निमोनिया में भी बच्चे को सूखी खांसी हो जाती है।

उत्तराखंड में कुछ दिन शुष्क रहेगा मौसम, सुबह और शाम बढ़ने लगी है. ठिठुरन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में मौसम शुष्क बना हुआ है और ज्यादातर क्षेत्रों में चटख धूप खिल रही है। आने वाले कुछ दिनों में भी मौसम का मिजाज ऐसे ही रहने के आसार हैं। वहीं तापमान में और गिरावट आने की संभावना मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में फिलहाल मौसम शुष्क रहेगा। अगले सप्ताह तक हल्की वर्षा और बर्फबारी हो सकती है इससे तापमान में और गिरावट आने की संभावना बन रही है। नवंबर अंत तक पश्चिमी विक्षोभ के उत्तराखंड में सक्रिय होने के कारण हल्की वर्षा व हिमपात होने का अनुमान है। जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। बीते 10 दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की गई है। जिससे पहाड़ों और मैदानों में कंपकंपी बढ़ गई है। उत्तराखंड में अगले एक सप्ताह तक मौसम सामान्य बना रह सकता है। हालांकि, इस बीच तापमान में मामूली गिरावट आ सकती है। पहाड़ों में पाला और मैदानों में धुंध व कुहासा परेशानी बढ़ा सकते हैं। ठंड बढ़ने के साथ ही प्रदेश में विद्युत उत्पादन में भारी गिरावट आई है। बीते दो माह में प्रदेश के तमाम जल विद्युत परियोजनाओं से विद्युत उत्पादन घटकर आधा हो गया है। जबकि, खपत में कोई कमी नहीं आई है। ऐसे में बाह्य स्रोत से बिजली की कमी पूरी की जा रही है। आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने पर उत्पादन में और कमी आ सकती है। प्रदेश में उत्तराखंड जलविद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) की छोटी-बड़ी 19 जल विद्युत परियोजनाएं हैं। जिनसे पिछले कुछ माह में रिकार्ड विद्युत उत्पादन हुआ है। हालांकि, मौसम के मिजाज के चलते सर्दियों में उत्पादन में भारी गिरावट आई है। बीते दिनों चोटियों पर हुए हिमपात के कारण तापमान में गिरावट आई और ग्लेशियर जमने लगे। जिससे प्रमुख नदियों का जल प्रवाह घटा है। यही कारण है कि ज्यादातर परियोजनाओं में उत्पादन में गिरावट आई है। हालांकि, इस दौरान कई परियोजनाओं में वार्षिक मरम्मतीकरण का कार्य चल रहा है। करीब दो माह पूर्व जहां प्रदेश में 24 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन हो रहा था, अब यह प्रतिदिन 11 से 12 मिलियन यूनिट पहुंच गया है।

महाराज ने खोला खजाना, चैबट्टाखाल को दी 36 करोड की सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सतपुली (पौड़ी) 21 नवम्बर। प्रदेश सरकार शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास कर रही है। टूरिज्म के क्षेत्र में उत्तराखंड को बेस्ट टूरिज्म का अवार्ड मिला है जो कि हमारे लिए गर्व की बात है। इस वर्ष चार धाम यात्रा पर 46 लाख से अधिक यात्री उत्तराखंड आये।

सतपुली में 352.53 लाख कार पार्किंग

कोरोना काल जो भी घटा हुआ था उसकी भरपाई लगभग हो चुकी है।ये कहना है प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन,, संस्कृति मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने अपने विधानसभा क्षेत्र भ्रमण के तीसरे दिन राजकीय इंटर कॉलेज, सतपुली और राजकीय इंटर कॉलेज रीठाखाल में आयोजित कार्यक्रमों में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कही। इसमें 3 दिन के विधानसभा क्षेत्र प्रवास के दौरान उन्होंने लगभग 36 करोड की लागत की योजनाओं की सौगात अपने क्षेत्र को दी।उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड के खानपान के साथ-साथ होमस्टे को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है ताकि अधिक से अधिक पर्यटक यहां आ सकें।

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि हमारी पंचायतें मजबूत हो इसके लिए हम जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र पंचायत प्रमुख का प्रत्यक्ष चुनाव के लिए कार्य कर रहे हैं ताकि भ्रष्टाचार और खरीद-फरोख्त को खत्म किया जा सके। महाराज ने कहा कि कोरोना काल में हम सभी प्रभावित हुए हैं। लोग सोचते थे कि इसका इलाज संभव हो पाएगा या नहीं? लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से देश में कोरोना वैक्सीन तैयार की गई जिससे सभी का इलाज संभव हो पाया। इतना ही नहीं हमने अन्य गरीब देशों को भी अपने यहां निर्मित कोरोना वैक्सीन मुफ्त पहुंचा कर उनकी मदद की। पहले कभी जब इस प्रकार की महामारी हमारे देश में हुआ करती थी तो उसकी वैक्सीन विदेशों से आने में 7-

281.06 लाख के बहुमंजिला शॉपिंग कॉपलेक्स

8 साल लग जाते थे लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने कोरोना वैक्सीन को भारत में तैयार करवा कर देश के लोगों के साथ-साथ दुनिया के देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध करवाई, जो कि हमारे लिए गर्व की बात है।

कैबिनेट मंत्री और चौबट्टाखाल विधायक सतपाल महाराज ने 1282.45 लाख की धनराशि की योजनायें अपने क्षेत्र को दी उन्होने सतपुली में 352.53 लाख की लागत से बनने वाली बहुप्रतीक्षित कार पार्किंग और 281.06 लाख की धनराशि से निर्मित होने वाले बहुमंजिला शॉपिंग कॉपलेक्स व सभागार का शिलान्यास किया तो वहीं दूसरी ओर व्यास घाट में 476.57 लाख की लागत से बनने वाले 40 शय्याओं वाले पर्यटक आवास गृह जैसी बड़ी योजनाओं का शिलान्यास किया।

व्यास घाट में 476.57 लाख के पर्यटक आवास की सौगात

उन्होंने चौमासूधार में 109.66 लाख लिफ्ट निर्माण योजना का लोकार्पण करने के अलावा राजकीय इंटर कॉलेज रीठाखाल में 62.63 लाख की लागत के साइंस लैब आर्ट एंड क्राफ्ट रूम का शिलान्यास भी किया।इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुयश रावत, नव नियुक्त जिला अध्यक्ष सुषमा रावत, मण्डल अध्यक्ष बृजमोहन, सतपुली नगर पंचायत अध्यक्ष अंजना वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता वेद प्रकाश वर्मा, बबीता रावत, ऐकेश्वर भाजपा मंडल अध्यक्ष सत्यराज सिंह, उपेन्द्र नेगी, युवा मोर्चा अध्यक्ष यशराज, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शकुन्तला, दिगम्बर रावत, अशोक बुडाकोटी, राजेन्द्र रावत, विनोद घिल्डियाल, विद्यालय के प्रधानाचार्य हेम चन्द्र केष्टवाल, भा.ज.पा. के शक्ति केन्द्र संयोजक सुरेन्द्र सिंह रावत, जगदम्बा ध्यानी, देवेन्द्र, सतीश, भारत सिंह, श्रीमदत्त कुकरेती, चिरंजीविलाल, वरिष्ठ भा.ज.पा. नेता अनिल समस्त जनप्रतिनिधी, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फर्जी डॉक्टरों से आरआईएमसी में वार्ड में भर्ती कराने के आरोप में दो लड़कों के माता-पिता पर मामला दर्ज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर और भिंड जिले के दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है, कथित तौर पर ₹जाली दस्तावेजों₹ का उपयोग करके अपने बच्चों को राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी) में भर्ती कराया।अक्टूबर में आरआईएमसी प्रबंधन की शिकायत के बाद आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत शहर के छावनी पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। स्थानीय पुलिस ने शिकायत में प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के लिए मध्य प्रदेश पुलिस से संपर्क किया था क्योंकि आरोपी ने वहां जाली कागजात प्राप्त किए थे।छावनी थाने के एसएचओ राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा, ₹मप्र में पुलिस द्वारा जांच के दौरान आरोप सही पाए गए, जिसके बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए। आगे की जांच जारी है। दोनों छात्र नाबालिग हैं और फर्जी हैं।₹ दस्तावेजों की व्यवस्था उनके पिताओं ने की थी, इसलिए उनके पिताओं पर मामला दर्ज किया गया है।₹मामले की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि छात्रों में से एक ने चार प्रवेश फॉर्म जमा किए थे और पिछले साल अपने चौथे प्रयास के बाद प्रवेश पाने में सफल रहा। जांच के दौरान, यह पाया गया कि उसने दस्तावेजों के दो अलग-अलग सेट जमा किए थे। दूसरे छात्र, जिसने तीन बार प्रयास किया, ने भी ₹अंतिम प्रयास में दस्तावेजों का एक अलग सेट जमा किया, जिसमें वह सफल रहा।

ऋषिकेश में जयपुर के 80 वर्षीय बुजुर्ग की डूबने से मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जयपुर के एक 80 वर्षीय व्यक्ति की ऋषिकेश में गंगा नदी में डुबकी लगाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एसडीआरएफ) द्वारा तलाशी अभियान शुरू किया गया था, लेकिन उसे बरामद नहीं किया जा सका था।हंसराज खुराना के रूप में पहचाने जाने वाला व्यक्ति अपने परिवार के साथ ऋषिकेश के निकट परमार्थ निकेतन आश्रम में रह रहा था।एसडीआरएफ अधिकारी ललिता नेगी ने बताया कि खुराना सुबह करीब 10 बजे परमार्थ निकेतन घाट पर नहाने गए थे। नेगी ने कहा, ₹वह तेज बहाव में बह गया। घाट पर मौजूद अन्य लोगों ने तुरंत एसडीआरएफ को सूचित किया और तलाशी अभियान शुरू किया गया।नेगी ने कहा, ₹तलाशी अभियान सोमवार सुबह फिर से शुरू किया गया। स्थानीय लोगों ने घटना के बारे में आश्रम में उसके परिवार के सदस्यों को सूचित किया। वे बात करने की स्थिति में नहीं हैं और इसलिए, व्यक्ति के बारे में और जानकारी नहीं मिल सकी।

हाईकोर्ट के हल्द्वानी शिफ्टिंग पर बार काउंसिल ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 नवम्बर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के पदाधिकारियों ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने बार काउंसिल के लिए कार्यालय एवं प्रदेश के वकीलों के लिए वेलफेयर स्कीम के लिए मांग पत्र दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा की इन मांगों पर सरकार द्वारा हर संभव सहयोग दिया जायेगा।बार काउंसिल ऑफ उत्तराखण्ड के पदाधिकारियों द्वारा हाईकोर्ट के हल्द्वानी शिफ्टिंग पर कैबिनेट की सहमति की सराहना भी की गई।

इस अवसर पर बार काउंसिल ऑफ उत्तराखण्ड के अध्यक्ष मनमोहन लांबा, सदस्य योगेन्द्र तोमर, चंद्रशेखर तिवारी, सुरेन्द्र पुंडीर एवं राजबीर बिष्ट उपस्थित थे।

भुगतान विवाद को लेकर 25 वर्षीय राजमिस्त्री की हत्या के लिए ठेकेदार पर मामला दर्ज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भुगतान विवाद को लेकर 10 फरवरी को बिजली का करंट लगाकर 25 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में एक भवन निर्माण ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, मृतक महेंद्र कुमार आरोपी ठेकेदार शंकर के साथ राजमिस्त्री का काम करता था, जो उसके पहले नाम से जाना जाता है।अदालत के आदेश के बाद छावनी थाने में मामला दर्ज किया गया।मामले की जांच कर रहे सब-इंस्पेक्टर संदीप कुमार ने कहा कि मृतक के भाई राज कुमार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि शंकर ने भुगतान संबंधी मुद्दे पर महेंद्र की हत्या की थी।"शंकर को महेंद्र को कई हज़ार रुपये का बकाया चुकाना था, लेकिन भुगतान करने में देरी कर रहा था।

10 फरवरी को उसने साजिश के तहत महेंद्र को अपने एक सहयोगी कुलदीप के घर बुलाया। वहां उसने पहले उसके साथ मारपीट की और फिर करंट लगाकर उसकी हत्या कर दी।सब-इंस्पेक्टर ने कहा, ₹शिकायत के साथ संलग्न महेंद्र की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसके शरीर पर चोट के कई निशान हैं, जो मौत से पहले हमला करने का संकेत देते हैं।₹ ₹शंकर के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है और उसे पकड़ने के लिए जांच जारी है।

सच उगलने का दूसरा नाम है नार्को टेस्ट, जानिए पूरी प्रक्रिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 21 नवम्बर , देश में सबसे चर्चित केस है श्रद्धा वालकर हत्याकांड जहाँ आज भी पुलिस को आफताब के खिलाफ ऐसे पुख्ता सबूतों की तलाश है, जो उसे कोर्ट में कातिल साबित कर सकें। बता दें कि पुलिस के हाथ अब तक वो हथियार जिससे श्रद्धा की हत्या की गई और कटा हुआ सिर नहीं मिल पाया है। हालांकि दिल्ली पुलिस लगातार इनकी तलाश में जुटी है। इसी बीच, खबर है कि आफताब का नार्को टेस्ट (Narco Test) भी किया जा सकता है। पुलिस ने पहले से ही इसके लिए 40 सवालों की लिस्ट तैयार कर ली है। आखिर क्या है नार्को टेस्ट, कैसे और कब होता है, क्यों इस टेस्ट में सच उगल देते हैं अपराधी? आइए जानते हैं।

क्या होता है नार्को टेस्ट?

नार्को टेस्ट (Narco Test) किसी खूंखार अपराधी से सच उगलवाने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया है। इसमें अपराधी को 'ट्रुथ सीरम' नाम से आने वाली साइकोएक्टिव दवा इंजेक्शन के रूप में दी जाती है। इसमें सोडियम पेंटोथोल, स्कोपोलामाइन और सोडियम अमाइटल जैसी दवाएं होती हैं। ये दवा खून में पहुंचते ही वो शख्स को अर्धचेतना में पहुंच देती है। इसके जरिए किसी के भी नर्वस सिस्टम में घुसकर उसकी हिचक कम कर दी जाती है, जिसके बाद वो शख्स स्वाभविक रूप से सच बोल देता है।

कब होता है नार्को टेस्ट?

जब अपराधी के खिलाफ जांच एजेंसियों को पर्याप्त सबूत नहीं मिलते तो उस स्थिति में नार्को टेस्ट की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, उस स्थिति में भी इसे कराया जाता है, जब सबूत अपराधी को लेकर साफ तस्वीर बयां नहीं कर पाते। ऐसे में कोर्ट इस बात की अनुमति देता है कि नार्को टेस्ट होगा या नहीं। इसके बाद किसी सरकारी अस्पताल में यह टेस्ट किया जाता है।

कौन करता है नार्को टेस्ट?

नार्को टेस्ट फॉरेंसिक एक्सपर्ट, जांच एजेंसियों के अधिकारी, डॉक्टर और मनोवैज्ञानिकों की टीम मिलकर करती है। इस दौरान अर्धचेतन अवस्था में गए शख्स से सवाल-जवाब किए जाते हैं। चूंकि केमिकल की वजह से इंसान की तर्क शक्ति और हिचक कम हो जाती है, इसलिए वो हर एक घटना का सच उगल देता है। बता दें कि इस खुलासे की वीडियो रिकार्डिंग भी की जाती है, ताकि उसे सबूत के तौर पर पेश किया जा सके।

नार्को टेस्ट के लिए क्या है कानून?

कानून के मुताबिक, जिस शख्स का नार्को टेस्ट किया जाना है, उसकी सहमति बेहद जरूरी होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि बिना सहमति के यह टेस्ट किसी की निजी स्वतंत्रता का उल्लंघन हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, नार्को एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग और पालीग्राफ टेस्ट किसी भी व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं कराए जा सकते।

नार्को टेस्ट में क्यों सच बोलते हैं अपराधी?

सोडियम पेंटोथोल का इंजेक्शन लगने के बाद व्यक्ति हिप्नोटिक (सम्मोहक) अवस्था में चला जाता है। ऐसे में उसका संकोच पूरी तरह खत्म हो जाता है, जिससे इस बात की संभावना काफी बढ़ जाती है कि वो ज्यादातर सच ही बोलेगा। आमतौर पर सचेत अवस्था में व्यक्ति सच नहीं बोलता और बातों को घुमा-फिरा देता है। लेकिन दवाओं के प्रभाव से जब वो अर्धचेतन अवस्था में होता है, तो सब सच उगल देता है।

इंस्टाग्राम लुटरों पर चला SSP श्वेता चौबे का चाबुक, 3 पीड़ितों को मिली लुटी रकम

ठगी के शिकार पीड़ित बोले - थैंक्स "पौड़ी गढ़वाल पुलिस"

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी गढ़वाल , 21 नवम्बर , उत्तराखंड में साईबर अपराधों की रोकथाम के हर स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। लेकिन इन शातिर लुटेरों की हिम्मत में कमी नज़र नहीं आती है , यही वजह है कि आप ऑनलाइन ठगी के केस पहाड़ों में भी सुनाई देने लगे हैं। लेकिन जब अफसर शार्प और सुलझी आईपीएस श्वेता चौबे जैसे हों तो जनता को भरोसा भी उतना ही ज्यादा होता है।

इसकी नज़ीर तब दिखाई दी जब तीन साइबर ठगी के पीड़ितों को उनकी रकम लुटेरों तक पहुँचने से कोटद्वार पुलिस ने लौटा दी। अपराध मुक्त उत्तराखंड के लिए गठित साइबर सेल को जनपद में साइबर फ्रॉड सम्बन्धी किसी भी शिकायत पर तेज़ कार्यवाही करने के निर्देशित किया गया है। जिसके क्रम में पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन विभव सैनी के नेतृत्व में साईबर सैल द्वारा तेज़ी से कार्य करते हुए साइबर ठगी का शिकार हुए लोगों के खातों में धनराशि वापस कराए जाने एवं आम जनमानस को साइबर अपराध से सुरक्षा हेतु लगातार जागरूक करते हुए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम मेंःटीम को बड़ी सफलता मिली है।

ये है पहल केस

इंस्टाग्राम सोशल साइट्स से ऑनलाइन प्रोडेक्ट की खरीदारी आम बात है लेकिन जब ये लुटेरों के अपराध का जरिया बन जाये तो पब्लिक क्या करे ? कुछ ऐसा ही हुआ है पूरी में जहाँ उपनल कर्मी सौरभ, ने एक शिकायत देते हुए बताया कि उन्होंने ऑनलाइन खरीददारी की थी , ऑनलाइन खरीदारी के कुछ दिनों पश्चात अज्ञात नम्बर से अनुचर सौरभ को कॉल आयी कि आपने जो ऑनलाइन खरीदारी की है, उसमें आपके द्वारा जो पता (एड्रेस) दिया गया है वह पूर्ण नही है और हमारे द्वारा आपको एड्रेस वैरिफिकेशन के लिए कॉल की गयी है। एड्रेस वैरिफिकेशन के लिए आपको रु0 5/- की धनराशि हमें ऑनलाइन उपलब्ध कराये जा रहे लिंक के माध्यम से देनी होगी। सौरभ द्वारा पता पूर्ण एवं एड्रेस वैरिफिकेशन करने के लालच में साइबर ठग द्वारा उपलब्ध करायी गयी अज्ञात लिंक पर क्लिक कर अपने फोन-पे एकाउन्ट से रु0 5/- का पेमेन्ट किया गया। तत्तपश्चात साइबर ठग द्वारा अनुचर सौरभ के मोबाइल पर आये OTP को बताने हेतु कहां गया। उसके 24 घण्टे के पश्चात अनुचर सौरभ के एकाउन्ट से रु0 40,000/- की धनराशि कट गयी। पीड़ित सौरभ को शक होने पर उनके द्वारा पुन साइबर ठग से सम्पर्क किया गया तो साइबर ठग द्वारा पुन लिंक भेजकर पीडित के खाते से रु0 3,068/- की धनराशि काट ली गयी। साईबर सैल कोटद्वार ने तेज़ी से कार्यवाही करते हुए पहले पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से संपर्क किया और फिर पीड़ित के खाते से कटी 43,068/- की धनराशि में से रु0 39,968/-धनराशि को आवेदक के खाते में वापस करायी। इस तरह से मामले में साइबर ठगी के शिकार को उनका रुपया लूटने से बचाया गया।

ये है दूसरा मामला

अब इस मामले में हरेन्द्र भाटिया द्वारा एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने रिश्तेदार होने का झांसा देकर रु0 25,000/- की धनराशि की ऑनलाइन ठगी की गयी है। साईबर सैल कोटद्वार ने एक बार फिर तेज़ी दिखाते हुए कार्यवाही शुरू की और सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से सम्पर्क कर पीड़ित के खाते से कटी रु0 25,000/- की धनराशि को पीड़ित के खाते में वापस करायी गयी ।

तीसरा मामला जानिए -

पीड़िता सना अंजुम, कोटद्वार की रहने वाली हैं जिन्होंने एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके पति के पैसे वापस करने का झांसा देकर क्यूआर कोड स्कैन के माध्यम से रु0 15,000/- की ठगी की गयी है। साईबर सैल कोटद्वार द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित पैमेन्ट गेटवे/बैंक नोडल से पत्राचार कर आवेदक के खाते से कटी रु0 15,000/- की धनराशि को आवेदिका के खाते में वापस करायी गयी। सफलता तो मिल गयी लेकिन पौड़ी पुलिस कपाट श्वेता चौबे और उनकी तेज़ तर्रार अफसरों की टीम लगातार लोगों से साइबर ठगी से बचने की सलाह देते हुए जन जागरूकता भी कर रही है इसी में आपके लिए नीचे कुछ सुझाव भी दिए गए हैं जिसके ज़रिये आप खुद को ठगी के शिकार होने से बचा सकते हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे की आम जनमानस से अपीलः

-अज्ञात व्यक्ति के कॉल और मेसेज से सावधान रहें।अपना Password, OTP, CVV कदापि शेयर न करेंअन्जान Link, Online Job ऑफर से संबंधित Link पर क्लिक न भूलकर भी न करें।आपके साथ किसी भी प्रकार का साइबर फ्रॉड हुआ है तो तुरन्त हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सम्पर्क करें।जागरुक बनें एवं अन्य को भी जागरुक करें।

पौड़ी गढ़वाल पुलिस के सोशल मीडिया साइट्स पर भी आप संपर्क कर सकते हैं -

https://www.facebook.com/pauripolice
https://twitter.com/ssppauri
https://www.instagram.com/pauri_garhwal_police/

क्या चपाती पर घी लगाना चाहिए? क्या यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हम में से कई लोग चपाती या रोटी को घी या घी के साथ खाना पसंद करते हैं। यह न केवल रोटियों को नरम बनाता है, बल्कि इसे सूखने और परतदार होने से भी रोकता है। लेकिन क्या विशेषज्ञ रोटियों में घी मिलाने की सलाह देते हैं? यदि हां, तो कितना ? इन सवालों का जवाब आज टीवी न्यूज़ वायरस दे रहा हैं। कई भारतीय परिवार, विशेष रूप से उत्तर में, लगभग एक अनुष्ठान के रूप में चपातियों पर घी लगाते हैं। अब, इसका यह कोई मतलब नहीं है कि आप अपनी चपाती पर घी से भरे जार को ब्रश करना शुरू कर दें। लेकिन सीमित मात्रा में घी आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। अक्सर, जब हम वजन कम करने की होड़ में होते हैं तो हम अपने आहार से घी को पूरी तरह से बंद करने के बारे में सोचते हैं। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए।

जानिए क्यों घी आपके वजन घटाने के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करता है

* घी चपाती के ग्लाइसेमिक इंडेक्स को नीचे लाने में मदद करता है। ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के लिए एक रेटिंग प्रणाली है। यह दर्शाता है कि प्रत्येक भोजन कितनी जल्दी

सेवन करने पर आपके रक्त शर्करा (ग्लूकोज) के स्तर को प्रभावित करता है।

* घी आपको पेट भरा हुआ महसूस कराता है। आपको दिन में बाद में अन्य चटपटे खाद्य पदार्थों को खाने की ज़रूरत नहीं होगी।

* घी में वसा में घुलनशील विटामिन होते हैं, जो वजन घटाने में सहायता करते हैं। घी हार्मोन को संतुलित करने और स्वस्थ कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

* घी में हाई हीट पॉइंट भी होता है, जो इसे सेल फंक्शन को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल सके उत्पदन से रोकता है।अपनी चपाती को घी से ब्रश करो। लेकिन, सुनिश्चित करें कि आप मात्रा के साथ ओवरबोर्ड नहीं जाते हैं। एक रोटी के लिए एक छोटा चम्मच लगभग ठीक है। अधिक मात्रा में किया गया कोई भी काम शरीर के लिए हानिकारक होता है, "उसने कहा।

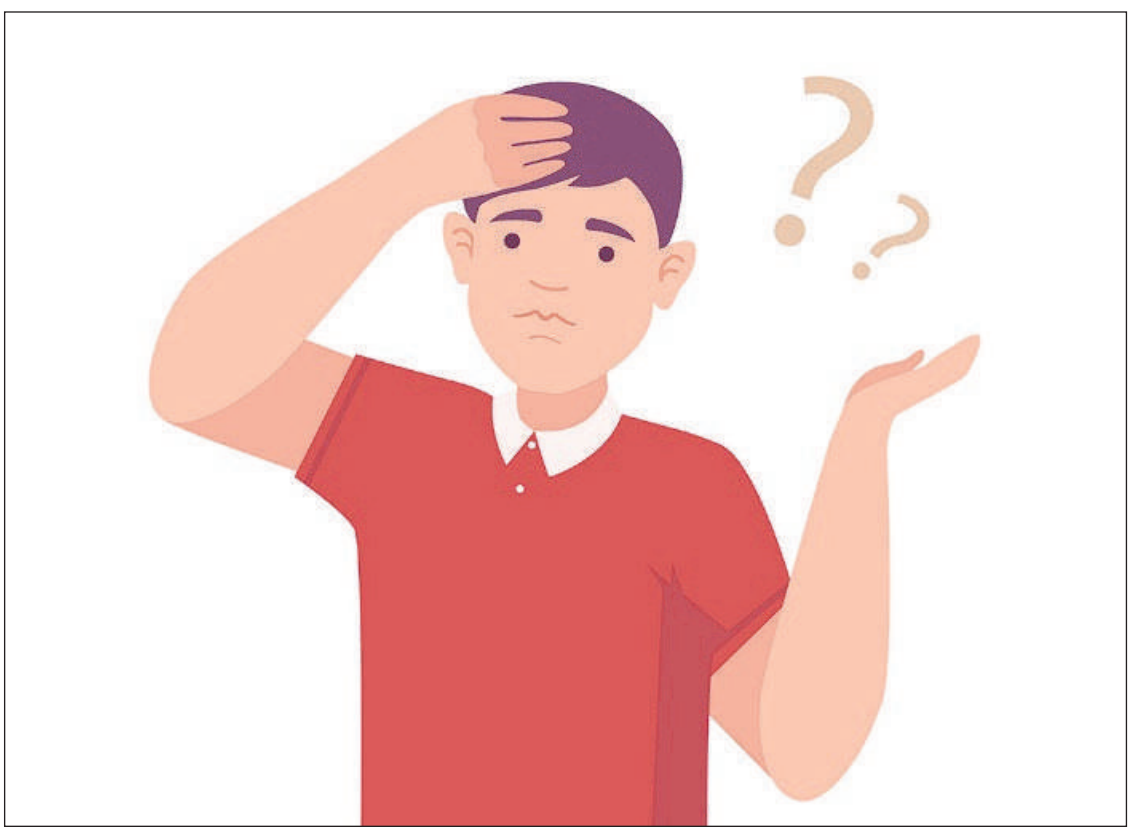

2022 में खरीदने के लिए भारत में सर्वश्रेष्ठ स्मार्टफोन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिछले सालों की तरह इस साल भी हमने कई फोन लॉन्च होते देखे हैं। 2022 में, नथिंग ने अपना पहला स्मार्टफोन - नथिंग फोन (1) एक अद्वितीय रियर डिजाइन के साथ पेश किया। वर्ष के दौरान, गूगल ने भारत में अपने प्रमुख फोन - पिक्सेल 7 और पिक्सेल 7 प्रो वापस लाए। एप्पल और सैमसंग ने अपने फ्लैगशिप - एप्पल आईफोन 14 प्रो/प्रो मैक्स, सैमसंग गैलेक्सी एस 22 अल्ट्रा, सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 4 और सैमसंग गैलेक्सी जेड फ्लिप 4 की घोषणा की। हम आपके लिए 2022 में डेब्यू करने वाले कुछ बेहतरीन स्मार्टफोन लेकर आए हैं। एक नज़र डालें

नथिंग फोन (1)

नथिंग फोन (1) की यूएसपी इसका अभिनव ग्लिफ़ इंटरफ़ेस है जो कॉल करने वाले और ऐप नोटिफिकेशन, चार्जिंग स्थिति और अन्य को इंगित करने के लिए पीछे की तरफ 900 एलईडी से बने अद्वितीय प्रकाश पैटर्न की सुविधा देता है। यह 33,999 रुपये की शुरुआती कीमत के साथ आता है।

वनप्लस 10 प्रो

वनप्लस 10 प्रो 61,999 रुपये में उपलब्ध है। स्मार्टफोन में सोनी आईएमएक्स 789 सेंसर (OIS सक्षम) के साथ 48MP का मुख्य कैमरा, 50MP का अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा और 8MP का टेलीफोटो लेंस है। फ्रंट में, स्मार्टफोन 32MP कैमरा के साथ आता है।

गूगल पिक्सल 7 प्रो

गूगल पिक्सल 7 Pro की भारत में कीमत 84,999 रुपये है। गूगल टेंसर G2 चिपसेट द्वारा संचालित, पिक्सेल 7 प्रो 5G के लिए तैयार है। यह 3120 x 1440 पिक्सल रिजॉल्यूशन वाले 6.7-इंच क्वाड एचडी + डिस्प्ले से लैस है। स्मार्टफोन में पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा है। सेटअप में 48MP और 12MP सेंसर के साथ 50MP का मुख्य सेंसर होता है।

सैमसंग गैलेक्सी एस 22 अल्ट्रासैमसंग गैलेक्सी एस 22 अल्ट्रा बरगंडी, फैंटम ब्लैक, फैंटम व्हाइट और ग्रीन कलर वेरिएंट में आता है। स्मार्टफोन की शुरुआती कीमत 1,09,999 रुपये है। यह 6.8-इंच डायनामिक एमोलेड 2x डिस्प्ले से लैस है और S पेन सपोर्ट के साथ आता है। इमेजिंग कर्तव्यों के लिए, हैंडसेट में पीछे की तरफ 10 MP, 12 MP और 10 MP सेंसर के साथ 108MP का प्राथमिक कैमरा है।

एप्पल आईफोन 14

एप्पल आईफोन 14 की शुरुआती कीमत 79,900 रुपये है। स्मार्टफोन में 2532x1170 पिक्सल रेजोल्यूशन के साथ 6.1 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले है। डिवाइस को पॉवर देने वाला एप्पल A15 बायोनिक चिपसेट है जिसे 128GB, 256GB और 512GB स्टोरेज विकल्पों के साथ जोड़ा गया है। हैंडसेट को मिडनाइट, पर्पल, स्टारलाइट, प्रोडक्ट रेड और ब्लू कलर ऑप्शन में पेश किया गया है।

रोजगार मेले में 71 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र बांटेंगे पीएम मोदी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में बेरोजगारी को दूर करने के केंद्र के प्रयासों के तहत प्रमुख रोजगार मेला योजना के तहत मंगलवार को नवनियुक्त भर्तियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित करने के लिए तैयार हैं।रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। उम्मीद है कि रोजगार मेला आगे रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और सीधे राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।

श्रोजगार मेला योजना के तहत शिक्षकों, व्याख्याताओं, नर्सिंग अधिकारियों, नर्सों, डॉक्टरों, रेडियोग्राफरों, फार्मासिस्टों और अन्य तकनीकी और पैरामेडिकल पदों के 71,000 रिक्त पदों को भरा जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में बड़ी संख्या में पदों को भरेगा।पीएम मोदी विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त सभी लोगों के लिए एक ऑनलाइन ओरिएंटेशन कोर्स कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल भी लॉन्च करेंगे। शिक्षाप्रद मॉड्यूल सरकारी कर्मचारियों के लिए एक आचार संहिता प्रदान करेगा, जिसमें कार्यस्थल नैतिकता और अखंडता पर निर्देश शामिल हैं।

कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल मिशन कर्मयोगी के दायरे में आता है, जो सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। केंद्र ने ऑनलाइन निर्देशात्मक मॉड्यूल के माध्यम से सिविल सेवाओं के कामकाज में सुधार के लिए कार्यक्रम तैयार किया है।नवनियुक्त सरकारी कर्मचारी अपने ज्ञान, कौशल और दक्षताओं को बढ़ाने के लिए कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म की वेबसाइट पर पाठ्यक्रमों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल के माध्यम से, सरकार सरकारी कर्मचारियों को इन नीतियों के अनुकूल बनाने और उनकी नई भूमिकाओं में उनके सुचारु परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने के लिए लाभ और भत्तों के साथ-साथ मानव संसाधन नीतियों तक तत्काल पहुंच प्रदान करेगी।गुजरात और हिमाचल प्रदेश के अपवाद के साथ, जहां भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने विधानसभा चुनाव से पहले आदर्श आचार संहिता लागू की है, नियुक्ति पत्रों की भौतिक प्रतियां देश भर में 45 स्थानों पर नए को सौंपी जाएंगी।रोजगार योजना के उद्घाटन दिवस पर, स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को चिह्नित करने के लिए सरकारी विभागों में विभिन्न पदों के लिए 75,000 से अधिक लोगों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रधान मंत्री ने कहा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक आर्थिक स्थिति के तहत संघर्ष कर रही थीं, उच्च मुद्रास्फीति और बेरोजगारी जैसी समस्याओं पर प्रकाश डाला।देश में रोजगार सृजित करने के लिए ₹रोजगार मेला₹ को एक आवश्यक मील का पत्थर बताते हुए, मोदी ने जोर देकर कहा, ₹इस वैश्विक संकट के बावजूद, भारत अपने देश को इन समस्याओं से प्रभावित होने से बचाने के लिए नई पहल कर रहा है। हम अपने देश पर इस प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रहे हैं।इस बीच, विपक्ष ने मोदी सरकार द्वारा नौकरी सृजन में अपनी विफलताओं को कवर करने के लिए शुरू किए गए ₹रोजगार मेले₹ को एक ₹प्रचार स्टंट₹ के रूप में हरी झंडी दिखाई।

सूर्यकुमार यादव के धमाकेदार शतक के बाद रोहित शर्मा का 11 साल पुराना ट्वीट फिर आया; भारतीय कप्तान को प्रशंसक कहते हैं 'दूरदर्शी'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रविवार को, सूर्यकुमार ने एक बार फिर दिखाया कि वह यहां लंबे समय तक राज करने के लिए क्यों हैं, न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने धमाकेदार टन के साथ। लेकिन जब दस्तक ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, और उनमें से कुछ ने उनकी क्षमताओं से आश्चर्यचकित भी किया, तो रोहित शर्मा ने लंबे समय से देखा था।20 महीने पहले ही सूर्यकुमार यादव ने भारत के लिए पदार्पण किया था। इंडियन प्रीमियर लीग में अविश्वसनीय प्रदर्शन के वर्षों के बाद, सूर्यकुमार को आखिरकार भारतीय जर्सी दान करने का अवसर मिला। और इस अवधि के दौरान, भारत के बल्लेबाज ने टी20ई क्रिकेट में वर्चस्व का दावा किया है जैसे कुछ अन्य खिलाड़ियों ने एक ही प्रारूप में कामयाबी हासिल की है। इस महीने की शुरुआत में उनकी जबरदस्त बढ़त ने उन्हें टी20ई में दुनिया का नंबर 1 बल्लेबाज बना दिया। और रविवार को, सूर्यकुमार ने एक बार फिर दिखा दिया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने धमाकेदार टन के साथ वह यहां लंबे समय तक शासन क्यों कर रहे हैं। लेकिन जब दस्तक ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया, और उनमें से कुछ ने उनकी क्षमताओं से आश्चर्यचकित भी किया, तो रोहित शर्मा ने लंबे समय से देखा था।सूर्यकुमार ने रविवार को 51 गेंदों में 111 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया। उन्होंने अपनी लुभावनी दस्तक में 11 चौके और सात छक्के लगाए, क्योंकि उन्होंने माउंट माउंगानुई में श्रृंखला के दूसरे टी20ई खेल में न्यूजीलैंड के आक्रमण का पूर्ण मजाक उड़ाया।

संपादकीय

आतंक पर लगाम

भारत ने बीते दिनों इस संबंध में एक अहम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी भी की है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन में कहा कि आतंक अच्छा या बुरा में नहीं बांटा जाना चाहिए. यह मानवता, स्वतंत्रता और सभ्यता पर हमला है. इसे साझा कठोर रवैये से ही रोका जा सकता है. उन्होंने आतंक को प्रश्रय और सहयोग देने वाले देशों को कटघरे में खड़ा करने की जरूरत पर जोर देते हुए आतंकियों को मिलने वाले धन के स्रोतों को रोकने की मांग की है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उचित ही रेखांकित किया है कि आतंक से भी कहीं अधिक खतरनाक उसे धन उपलब्ध कराना है. भारत उन कुछ देशों में है, जो दशकों से आतंकी हिंसा का सामना कर रहे हैं. यह जगजाहिर तथ्य है कि हमारे देश को अस्थिर करने तथा आतंकियों द्वारा भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने की साजिशें पाकिस्तान में रची जाती रही हैं. यह भी स्थापित तथ्य है कि पड़ोसी देशों में आतंकवाद को बढ़ावा देना पाकिस्तानी विदेश नीति और रक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा है. पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की नापाक हरकतों को चीन का समर्थन भी मिल रहा है. आतंकियों को धन देने के मामले को लेकर इस संबंध में बनी अंतरराष्ट्रीय संस्था ने पाकिस्तान पर कार्रवाई भी की है. लेकिन कुछ ताकतवर देश, जिनमें अमेरिका और पश्चिमी देश भी शामिल हैं, अपने भू-राजनीतिक स्वार्थों को साधने के लिए पाकिस्तान के साथ नरमी से पेश आते रहे हैं. हाल में आतंकियों को धन देने के मामले में लगे आरोपों पर पाकिस्तान की फर्जी सफाई को स्वीकार करते हुए उसे निगरानी सूची से निकाल दिया गया है. इतना ही नहीं, पाकिस्तान को अमेरिका से सैन्य सहायता के नाम पर खरबों रुपये की वित्तीय सहायता भी दी गयी है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी सेना और उसकी कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई अपनी हरकतों के लिए करेंगे. चीन और अमेरिका के बीच चल रही रस्साकशी भारत ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिणी एशिया की शांति को प्रभावित कर सकती है. उम्मीद है कि हालिया सम्मेलन की चर्चाओं तथा भारत के प्रस्तावों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय गंभीरता से विचार करेगा.

मंत्री चंदन राम दास ने बागेश्वर में पम्पिंग पेयजल योजना का शुभारंभ किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर , 21 नवम्बर , कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास ने बागेश्वर विधानसभा क्षेत्र के तहसील काफलीगैर के खरेही पट्टी में लगभग 29 करोड़ की लागत से ग्राम समूह पम्पिंग पेयजल योजना का शुभारंभ किया। मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि खरेही पट्टी ग्राम समूह पम्पिंग पेयजल योजना का निर्माण नाबार्ड से 29 करोड़ की लागत से हुवा है, इस योजना के निर्माण से 25 ग्राम पंचायतों के 55 राजस्व ग्रामो 95 बस्तियों व क्षेत्र के 30 विद्यालयों को पेयजल योजना का लाभ होगा। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा हर घर जल-हर घर नल योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रो में पेयजल उपलब्ध करवाया जा रहा है, प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को पेयजल योजनाओं के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा।पेयजल

योजना के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा बसन्ती देव, जिला अध्यक्ष भाजपा इंद्र सिंह फर्स्वाण, मंडल अध्यक्ष रवि करायत, ब्लॉक प्रमुख पुष्पा देवी, खड़क टंगड़िया, राजेन्द्र परिहार, बालम सिंह बिष्ट, मोहन सिंह रावत, नरेंद्र रावत, प्रधान मंजू थापा सहित जिला स्तरीय अधिकारी व पेयजल निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में प्राप्त हो रही शिकायतों का प्राथमिकता से निपटाएं : सोनिका डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 21 नवम्बर , जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्टेट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। आज सुनवाई में 82 शिकायतें प्राप्त हुईं,जिनमें अधिकतर शिकायत भूमि एवं अतिक्रमण सम्बन्धी प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त पेंशन, रोजगार दिलाने, भरण पोषण, सड़क मरम्मत, वित्तीय धोखाधड़ी, पैनल्टी माफ कराने, सड़क निर्माण, नाली निर्माण एवं सफाई, नालियों में गोबर डाले जाने, आपसी विवाद, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत मकान दिलवाने, विद्यालय एवं आंगनबाडी.केन्द्र का निर्माण आदि शिकायतें प्राप्त हुई।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को अपने स्तर भूमि स्सम्बन्धी शिकायतों/समस्याओं की समीक्षा करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ क्षेत्र की अवैध गतिविधियों की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश समस्त उप जिलाधिकारियों एवं पुलिस के अधिकारियों को दिए। उन्होंनें सम्बन्धित समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया जनसुनवाई में प्राप्त हो रही शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करे तथा अपने स्तर पर निराकरण की समीक्षा करते हुए शिकायतकर्ता को भी अवगत कराए। सड़क निर्माण, नाली निर्माण के शिकायत पर लोक निर्माण विभाग एवं नगर-निगम को त्वरित कार्यवाही करने को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने नदी नालों पर अतिक्रमण किये जाने की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर ध्वस्त किए जाने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में शिकायतकर्ता द्वारिका रावत तपोवन द्वारा भरण पोषण भत्ता दिलवाये जाने, मुन्तहा जहीद तिमली विकासनगर में भूमि अतिक्रमण, सुन्दरलाल जोशी जगतपुर खादर भूमि दाखिला खारिज न होने, दिव्यांग मोहन लाल अरोड़ा हरिपुर ऋषिकेश द्वारा रोजगार दिलाने, मनोहर सिंह तोमर कारगी द्वारा नगर निगम के नाले से अतिक्रमण हटाने, आशीष ग्राम बादामवाला विकासनगर द्वारा ग्राम समाज की भूमि से अतिक्रमण किये जाने, सीपीएम के प्रतिनिधियों द्वारा साभावाला विकासनगर विकासनगर में भूमाफियाओं द्वारा सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत की गई।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चैहान, पुलिस अधीक्षक क्राइम मिथिलेश, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण आर सी तिवारी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, अधि0अभि0 सिंचाई राजेश लांबा, अधि0अभि लो.नि.वि डी.सी नौटियाल, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास अखिलेश मिश्रा, सहित विद्युत, पेयजल निगम, जल संस्थान, समाज कल्याण, खाद्य विभाग सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे तथा समस्त उप जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

कृषि विभाग को छरबा में भूमि एक्सचेंज करेगा रेशम विभाग

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून, 21 नवम्बर , कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रेशम विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में रेशम विभाग की भूमि को उद्योग विभाग को हस्तांतरित किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में यह तय हुआ कि रानीपोखरी में रेशम विभाग की भूमि जो करीब 11.19 एकड़ भूमि है उसमे जहां पर रेशम विभाग का जो सेन्टर बना हुआ है करीब तीन एकड़ भूमि में उसको छोड़कर बाकी शेष भूमि को उद्योग विभाग को हस्तांतरित की जाएगी। उसके बदले में कृषि विभाग को छरबा में भूमि एक्सचेंज की जायेगी। इसी प्रकार भरसार कि जो भूमि छिद्दरवाला में है उसके बदले भी कृषि विभाग को छरबा में जमीन मिलेगी। इस अवसर पर सचिव बी.वी.आरसी पुरुषोत्तम, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, रेशम बोर्ड के अध्यक्ष अजीत चौधरी, रेशम निदेशक एमएस यादव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

मानव-वन्यजीव संघर्ष को समाप्त करेगा पायलट प्रोजेक्ट : आनन्दवर्धन, एसीएस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 21 नवम्बर। अपर मुख्य सचिव आनन्दवर्धन ने मानव-वन्यजीव संघर्ष को समाप्त करने हेतु पायलट प्रोजेक्ट के तहत 5 गांवों को चिह्नन्ति कर प्रभावी समाधानों के क्रियान्वयन को आरम्भ करने के निर्देश जलागम विभाग को दिए हैं। एसीएस ने मानव-वन्यजीव संघर्षो को नियत्रित करने हेतु सरकारी प्रयासों के साथ ही सामुदायिक भागीदारी, ग्राम पंचायतों की भूमिका तथा स्थानीय लोगों के सहयोग को भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों और गांवो में माइक्रों प्लान पर गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एसीएस ने प्रोजेक्ट के तहत राजाजी-कार्बेट लैण्डस्कैप के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष के पैटर्न का अध्ययन करने तथा क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष के प्रति स्थानीय लोगो के रूझान व धारणाओं तथा सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का डॉक्यूमेंटेशन करने के भी निर्देश दिए हैं।

अपर मुख्य सचिव जलागम प्रबन्धन एवं कृषि उत्पादन आयुक्त श्री आनन्दवर्धन ने सोमवार को सचिवालय में राज्य में मानव-वन्यजीव संघर्ष को नियंत्रित करने के सम्बन्ध में जलागम, भारतीय वन्य जीव संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कंसलटेंट्स के साथ बैठक की। एसीएस ने लोगों को जंगली जानवरों के हमलों से सतर्क करने हेतु अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं के पीछे गांवों से पलायन के कारण कम आबादी घनत्व, एलपीजी सिलेण्डरों की त्वरित आपूर्ति सेवा का अभाव, सड़कों में लाइटों का कार्य न करना, पालतू पशुओं की लम्बी अवधि तक चराई, गांवों की खाली एवं बंजर जमीनों पर लेन्टाना, बिच्छू घास, काला घास, गाजर घास के उगने से जंगली जानवरों को छुपने की जगह मिलना जैसे कारणों के समाधानों पर भी चर्चा की गई।

भारतीय वन्य जीव संस्थान के वैज्ञानिकों तथा जलागम के अधिकारियों ने जानकारी दी कि मानव-वन्य जीवन संघर्ष को नियंत्रित करने हेतु एक प्रोजेक्ट अल्मोड़ा, देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल तथा पौड़ी गढ़वाल में संचालित किया जाएगा। फिलहाल यह प्रोजेक्ट पौड़ी गढ़वाल जनपद के कुछ क्षेत्रों जिसमें कार्बेट तथा राजाजी टाइगर रिजर्व भी सम्मिलित है, में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के तहत सर्वाधिक मानव-वन्यजीव संघर्षो वाले गांवो जिनमें 17 से अधिक मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं हुई है, की पहचान की गई है। इन 15 गांवों में गोहरी फोरेस्ट रेंज में स्थित गंगाभोगपुर गांव, लाल ढांग फोरेस्ट रेंज में स्थित किमसर, देवराना, धारकोट, अमोला, तचिया, रामजीवाला, केस्था, गुमा, कांडी, दुगड्डा में स्थित किमुसेरा, सैलानी, पुलिण्डा, दुरातात तथा लैंसडाउन की सीमा में कलेथ गांव हैं।भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून के वैज्ञानिकों ने जानकारी दी कि फसलों को नुकसान पहुंचाने हेतु जंगली सूअर तथा भालू मुख्यतः उत्तरदायी है। मानव-वन्यजीव संघर्ष से प्रभावित जिन गाँवो में सर्वे किया गया उन्होंने गेंहू का उत्पादन बन्द कर दिया है। ग्रामीणों ने मंडुआ, हल्दी तथा मिर्चो का उत्पादन आरम्भ कर दिया है ताकि अनुमान लगाया जा सके कि क्या इन फसलों के उत्पादन से कुछ अन्तर पडेग़ा। 50 प्रतिशत गांवों में सभी मौसमों में 60-80 प्रतिशत फसलें वन्यजीवों द्वारा नष्ट की जा रही है। 100 प्रतिशत ग्रामीणों ने माना कि यदि वन्यजीवों द्वारा फसलें नष्ट न की जाती तो कृषि कार्य उनके लिए लाभकारी होता। प्रभावित गांवों के कुल कृषिक्षेत्र का 50 प्रतिशत क्षेत्र खाली पड़ा है।

बैठक में परियोजना निदेशक जलागम नवीन सिंह बरफाल, उपनिदेशक डा0 एस के सिंह, डा0 डी एस रावत, स्टेट टैक्नीकनल कोर्डिनेटर डा0 जे सी पाण्डेय, भारतीय वन्य जीव संस्थान देहरादून के वैज्ञानिक डा0 के रमेश, सीनियर टैक्नीकल ऑफिसर डा0 मनोज कुमार अग्रवाल, रिसर्च इन्टर्न श्रुति, तोमाली मण्डल, कंसलटेंट श्री विकास वत्स तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे

घर-घर जाकर खोजे जायेगें टी0बी0रोगी : डॉ0 धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,21 नवम्बर 2022, प्रधानमंत्री टी0बी0उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में अब घर-घर जाकर टी0बी0 मरीज खोज कर उनका उपचार किया जायेगा। इसके लिए सभी जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। प्रथम चरण में सूबे के 6 जनपदों में एक्टिव टी0बी0 केस फाइन्डिग कैम्पेन चलाई जायेगी।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डा0धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि उत्तराखण्ड को वर्ष 2024 तक टी0बी0 मुक्त प्रदेश बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत 21 नवम्बर 2022 से 20 दिसम्बर 2022 तक प्रदेश के 6 जनपदों में घर-घर जाकर टी0बी0 रोगियों की पहचान की जायेगी तथा इस अभियान के दौरान सामने आये एक्टिव टी0बी0 मरीजों का सम्बन्धित क्षेत्र के अस्पतालों के जरिये उपचार किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के आवाहन पर पूरे देश में टी0बी0 उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत भारत में वर्ष 2025 तक टी0बी0 उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। इस सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एन0एच0एम0 के माध्यम से दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

अभियान के प्रथम चरण में जनपद अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल, पिथौरागढ, ऊधमसिंहनगर तथा उत्तरकाशी में घर-घर जाकर टी0बी0 मरीजों की खोज की जायेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस अभियान के तहत शहरी एवं ग्रामीण मलिन बस्तियों,

संवेदनशील जनसंख्या वाले क्षेत्रों यथा एच0आई0बी0 एवं मधुमेह से ग्रसित रोगी, सब्जी एवं फल मण्डी निर्माणाधीन प्रोजेक्ट, ईट भट्टे, स्टोन क्रेशर, नदियों में चुगान करते मजदूरों, साप्ताहिक बाजार, अनाथालय, वृद्धाश्रम, नारी निकेतन, बाल संरक्षण गृह, मदरसा एवं कारागार में व्यापक जन-जागरूकता अभियान के साथ ही एक रणनीति के तहत टी0बी0 लक्षणों से ग्रसित व्यक्तियों को चिन्हिंत कर उनकी जांच करायी जायेगी।

डॉ0रावत ने बताया कि राज्य ने इस वर्ष टी0बी0 उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त भारत अभियान में उत्तराखण्ड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये राष्ट्रीय स्तर पर नि-क्षय मित्र पंजीकरण में लगातार द्वितीय स्थान पर बना हुआ है जो कि राज्य में टी0बी0 उन्मूलन के लिए आमजन भागीदारी एवं विभागीय प्रयासों का प्रतिफल है कि टी0बी0 उन्मूलन की दिशा में राज्य अग्रणीय भूमिका में नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022 में उत्तराखण्ड राज्य को 28 हजार टी0बी0 को खोजे जाने का लक्ष्य दिया है जिसके सापेक्ष माह अक्टूबर तक लक्ष्य की शतप्रतिशत प्राप्ति की गयी है जिसमें प्रदेश के जागरूक समाज के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों, अधिकारियों एवं रेखीय विभागों का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसके लिए उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुये उत्तराखण्ड में वर्ष 2024 तक टी0बी0 उन्मूलन हेतु अपना सहयोग बनाये रखने की अपेक्षा की है।

उत्तराखंड में 2 डिग्री तक लुढ़क सकता अधिकतम पारा, मैदानी क्षेत्रों में छा रहा है कोहरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 21 नवम्बर। प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहेगा और आने वाले दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है।

सोमवार को मैदान से लेकर पहाड़ तक धूप खिली रही। दोपहर एक बजे बाद देहरादून के कुछ क्षेत्रों में चमोली जिले के कुछ क्षेत्रों में बादल छाये रहे, लेकिन दोपहर बाद ढाई बजे एक बार फिर से बादल छंटने से चटख धूप खिली रही।

टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, बागेश्वर व रुद्रप्रयाग जिलों में सुबह के समय कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। सड़कों व खेतों में ओंस गिर रही है। मैदानी क्षेत्र हरिद्वार, रुड़की, उधमसिंह नगर के कुछ इलाकों में सुबह नौ बजे तक हल्के से गहरा कोहरा छा रहा है।

मसूरी एवं नैनीताल में सुबह एवं शाम को कड़के की ठंड होने से सैलानी कम ही अपने कमरों से बाहर निकल रहे हैं। सोमवार को देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो मौसमः तापमान में दो डिग्री सेल्सियस 26.8 व न्यूनतम तापमान 10.5 दो डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मसूरी का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम 22.8 व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 8.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। उधमसिंह नगर का अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 8.4 दो डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक बिक्रम सिंह ने कहा कि आने वाले चार दिनों तक प्रदेश का मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों में कोहरा व पहाड़ी इलाकों में पाला पड़ने की संभावना है।